

रोधी पंचायत (कल्पा ब्लॉक) मे प्रशिक्षण का आयोजन

भा. कृ. अ. प.- भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, क्षेत्रीय केंद्र, शिमला द्वारा कल्पा ब्लॉक के रोधी गांव के किसानों के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण एवं किसान महत्व समूह (Farmer's Interest Group) का आयोजन दिनांक 07/08/2018 को किया गया। कार्यक्रम के शुरुवात में श्री संतोष वाटपाडे ने संस्थान के बारे में संक्षेप में जानकारी किसानों को दी। डा. मधु पटियाल ने गेहूं और जौ की नई बिमारी प्रतिरोधि एवं उच्च उपजाऊ किस्मों के बारे में किसानों को जानकारी दी। किसानों को उनकी जौ को लगाने में रूचि और कोन से किस्मे लगते है के बारे में पूछा गया । किसानों ने भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, क्षेत्रीय केंद्र, शिमला द्वारा विकसित जौ की किस्मों को लगाने में अपनी रूचि व्यक्त की खासकर, "बी एच एस 380" किस्म । किसानों को इस साल इस किस्म का बीज देने के बारे में सोचा गया।

श्री संतोष वाटपाडे ने सेब के मुख्य रोगों एवं मुख्य किटों के लक्षण, जीवनचक्र और उनका एकीकृत प्रबंधन कैसे किया जाए इससे किसानों को अवगत कराया। इसके अलावा डी. एस. टी. परियोजना "Establishment of Virus Free elite mother block of apple in tribal areas of Kinnaur and Lahaul Spiti in Himachal Pradesh" के बारे में संक्षेप में जानकारी दी। विषाणुमुक्त मादा पौधों के चयन का महत्व किसानों को बताया। कार्यक्रम में किसानों के लिए बनाया गया फ़ोल्डर "सेब के मुख्य रोग एवं कीट और उनका एकीकृत प्रबंधन" एवं "पर्वतीय क्षेत्रों में जौ की उन्नत खेती" किसानों को दिया गया। संस्थान द्वारा विकसित प्रजातियों के बीजों को भी किसानों को दिखाया गया । इसके अलावा जौ की लोकल प्रजाति (जर्मप्लास्म) को भी इकट्ठा किया गया। अंत में डा मधु पटियाल ने कार्यक्रम में उपस्थित पंचायत प्रधान व पंचायत के अन्य मान्यवरों, किसानों का आभार व्यक्त किया। इस प्रशिक्षण का आयोजन डी. एस. टी. परियोजना के अंतर्गत डा. मधु पटियाल एवम श्री संतोष वाटपाडे ने अध्यक्ष, भा. कृ. अ. प.- भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, क्षेत्रीय केंद्र, शिमला के सहयोग द्वारा किया ।

अध्यक्ष, भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, क्षेत्रीय केंद्र, शिमला



